श्रव्य साधन
(Audio Aids)

1. रेडियो : रेडियो को एक शिक्षण सहायक सामग्री के रूप में प्रयोग किया जा सकता है । रेडियो ब्रोडकास्ट का अपना एक प्रामाणिक मूल्य होता है । रेडियो का प्रयोग एक शिक्षण-विधि के रूप में भी होता है और उसका प्रयोग शिक्षण सहायक सामग्री की तरह भी हो सकता है । यह विराट सम्पर्क का संचार साधन (mass media) है । लोगों की जीवन-शैली को इच्छित दिशा में मोड़ने के लिए, यह उनकी मनोवृत्ति में परिवर्त्तन लाने का अच्छा साधन है । इसके प्रयोग से लोगों में, बताई गई बातों में, जल्दी रुचि उत्पन्न हो जाती है । रेडियो एक ऐसा शिक्षण सहायक साधन है जो सहज ही, घर, कमरे, खेत-खलिहान सभी में पहुँच सकता है । अतः व्यापक संचार के लिए यह एक अच्छा साधन है । रेडियो को समूह के बीच में रखकर सुनने से, समूह में आपस में, सुनी बात पर चर्चा-परिचर्चा भी हो सकती है । शिक्षण सहायक सामग्री के रूप में प्रयोग किए जाने के लिए, रेडियो से प्रसारित किए जाने वाले प्रोग्रामों को विशेष उद्देश्य के अनुरूप बनाया जाना जरूरी है । विषय-वस्तु का परिचय प्रक्रिया और कामों को ओडियो कैसेटों में भर कर भी प्रयोग किया जा सकता है । इसे सब लोग भी जब चाहें अपने ही घर में सुन सकते हैं । चाहे केन्द्र से भी इन्हें प्रसारित किया जा सकता है ।

Scanned with CamScanner

2. रिकॉर्डिंग (Recordings) : अब कई प्रकार के रिकार्डिंग मिलते हैं । इन पर काम की सामग्री को रिकॉर्ड किया जा सकता है । जरूरत पड़ने पर मिटाया भी जा सकता है । इसलिए प्रारम्भिक रूप से अधिक मूल्य (high) के होते हुए भी, कम मूल्य के शिक्षण साधन हैं । ये इन्हें टू इन वन ट्रांजिस्टरों के माध्यम से, किसी स्थान पर भी, श्रोताओं के लिए प्रयोग किया जा सकता है । इन्हें सिखाने वाला किसी भी स्थान पर आसानी से ले जा सकता है और प्रयोग भी कर सकता है । ओडियो कैसेट, टेप तैयार किए जाते हैं । टेप में फिल्म स्ट्राइप के लिए कॉमेंटरी भी भरी जा सकती है । टेप पर उन किसानों के विचारों को भी रिकार्ड करके सुनाया जा सकता है जो बतायी बात से फायदा उठा चुके रहते हैं । इसका अच्छा प्रभाव श्रोताओं पर पड़ता है । इन्हें रेडियो के माध्यम से दूर-दूर तक संचारित किया जा सकता है । नेता के संदेश को टेप करके बड़े क्षेत्र में फैलाया जा सकता है । इनसे किसी भी बात को आसानी से दोबारा सुना जा सकता है । बीच में रोक कर चर्चा भी की जा सकती है । टेप को सभी स्थानों पर प्रयोग किया जा सकता है क्योंकि इन्हें बैटरी से चलाना संभव है ।

3. **पब्लिक एड्रेस सिस्टम** : इसे साधारण भाषा में लाउडस्पीकर कहते हैं । इसके माध्यम से बड़े समूह तक किसी बात का प्रचार और प्रसार किया जा सकता है । अचानक आनेवाली घटनाओं के बारे में सूचना बड़े क्षेत्र में, इसकी सहायता से प्रसारित की जा सकती है । इसे कन्धे पर लटका कर प्रसार कार्यकर्ता आसानी से बड़े समूह से बात कर सकता है और उन्हें कुछ समयानुरूप जरूरी हिदायतें दे सकता है । वैसे इसे बहुत-से कामों के लिए, कई तरीकों से प्रयोग किया जा सकता है । इसमें माइक्रोफोन, एमप्लीफायर तथा स्पीकर रहते हैं । इनके माध्यम से, ज्ञान का प्रसार, विस्तृत क्षेत्र में किया जा सकता है । व्यक्ति के मुख से निकली ध्वनि और लाउडस्पीकर के जरिए उत्पन्न ध्वनि में अन्तर ही शिक्षण में सहायक इस सामग्री के महत्त्व को समझा दे सकता है ।

Scanned with CamScanner